Instructions have been issued to the administrative Ministries that cases of excess production may be brought up before the Licensing Committee for a decision on a case by case basis. In cases where it is established that the capacity installed by the party was more than the licensed capacity and this resulted in production of articles in excess of the licensed capacity, suitable action will be taken as permissible under the law.

Multinational Corporations

1313. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the branches of the Multinational Corporations operating in India as on 31st March, 1977;

(b) the nature of their operations;

(c) whether Government have so far made any study about their operations; and

(d) if so, the results thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI BRIJ LAL VERMA): (a) There were 482 branches of Multinational Corporations operating in India as on 31st March, 1977.

(b) These branches were engaged in the following operations:—

Nature of activity	Number of branches
1. Agriculture and allied activities	12
2. Mining and quarrying	8
3. Processing and manufacture	78
4. Construction and utilities	30
5. Commerce (Trade and Finance)	120
6. Transport, communication and storage	39
7. Community and business services	82
8. Personal and other services	13
TOTAL	482

(c) and (d). No study about the operations of Multi-national Corporations in India has been made by Government so far.

टायरों तथा ट्यूबों के मूल्य

1314. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक :** क्या उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में साइकिलों, मोटरों, स्कूटरों, ट्रकों तथा ट्रैक्टरों के टायरों और ट्यूबों की अलग-अलग कीमतें क्या हैं और यहां से निर्यात करने पर विदेशों में उनकी कीमत भारतीय मुद्रा में कितनी है; और

(ख) देश में विभिन्न साइकिल-निर्माता कम्पनियों द्वारा बनाई गई साइकिलों का विक्रयमूल्य क्या है और विदेशों में इनका विक्रयमूल्य भारतीय मुद्रा में क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री बृज लाल वर्मा) : (क) देश में मोटर गाड़ियों साइकिलों के टायरों और ट्यूबों की कीमत उनके आकार और सम्बन्धित टायरों में लगी सामग्री की मात्रा, धागा, प्लाई रेटिंग उसकी डिजाइन आदि के अनुसार अलग-अलग कम्पनियों में अलग-अलग होती है । इसी प्रकार उनके निर्यात मूल्य भी एक देश से दूसरे देश और एक निर्माता से दूसरे निर्माता के मामले में भिन्न-भिन्न होते हैं । फिर भी मोटर गाड़ियों साइकिलों के टायरों और ट्यूबों के प्रत्येक प्रकार के प्रमुख आकार का औसत मूल्य और पत्तन तक निःशुल्क औसत निर्यात मूल्य बताने वाला एक विवरण संलग्न है (अनुबन्ध-1)

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए संख्या LT-474/77]